EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

The industry is trying to foster a collaborative environment and TRAI is taking the lead as was evident in the Open House discussion organized by TRAI on the proposed National Broadcast Policy. The meeting brought to light several critical concerns from various stakeholders in the broadcasting industry. These concerns primarily revolved around maintaining creative freedom, ensuring a level playing field, and addressing the efficacy of audience measurement systems.

Industry representatives emphasized the need for creative freedom in content production. They warned against regulations that might mandate specific content requirements, such as a quota for Indian actors, as this could curb freedom of speech and expression.

Specific proposals, such as the mandatory inclusion of Doordarshan content on other platforms, were criticized. Stakeholders argued that such mandates could create an uneven playing field and might not be in line with consumer demand.The inclusion of public broadcaster content (like Doordarshan) on private platforms should be voluntary and market-driven rather than enforced by regulation.

There were concerns about potential barriers to competition that could arise from regulatory mandates. For instance, forcing cable and DTH operators to carry certain channels could disrupt fair competition.The policy should ensure that the broadcasting sector remains attractive for private investments while protecting existing investments.

Ensure that the policy framework fosters a level playing field for all players, including public and private broadcasters.Develop strategies to attract and retain private investments in the sector.

Opinions diverged on whether a single audience measurement agency (BARC) suffices or if multiple agencies are needed to ensure accuracy and competition. While some argued that multiple agencies could dilute data consistency, others believed that competition would improve measurement quality.

The discussions highlight the importance of crafting a National Broadcast Policy that respects the creative freedom of content producers, promotes fair competition, and ensures accurate audience measurement to reflect the true viewership landscape in India. By addressing these concerns, TRAI can help create a more dynamic and equitable broadcasting environment.

(Manoj Kumar Madhavan)

उद्योग जगत सहयोगात्मक प्रयास को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है और ट्राई इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जैसाकि प्रस्तावित राष्ट्रीय प्रसारण नीति पर ट्राई द्वारा आयोजित ओपन हाउस चर्चा में स्पष्ट हुआ। बैठक में प्रसारण उद्योग के विभिन्न हितधारकों की कई महत्वपूर्ण चिंतायें सामने आयीं। ये चिंतायें मुख्य रूप से रचनात्मक स्वतंत्रता को बनाये रखने, समान अवसर सुनिश्चित करने और दर्शकों की माप प्रणालियों की प्रभावकारिता को संबोधित करने के इर्द-गिर्द घूमती है।

उद्योग प्रतिनिधियों ने सामाग्री उत्पादन में रचनात्मक स्वतंत्रता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ऐसे विनियमों के खिलाफ चेतावनी दी जो विशिष्टि सामाग्री आवश्यकताओं को अनिवार्य कर सकते हैं, जैसा भारतीय अभिनेताओं के लिए कोटा, क्योंकि इसमें भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लग सकता है।

अन्य प्लेटफॉर्मों पर दूरदर्शन की सामग्री को अनिवार्य रूप से शामिल करने जैसे विशिष्ट प्रस्तावों की आलोचना की गयी। हितधारकों ने तर्क दिया कि इस तरह के आदेश असमान खेल मैदान बना सकते हैं और उपभोक्ता मांग के अनुरूप नहीं हो सकते हैं। निजी प्लेटफॉर्मों पर सार्वजनिक प्रसारणकर्ता सामग्री (जैसे दूरदर्शन) को शामिल करना स्वैच्छिक और बाजार संचालित होना चाहिए, न कि विनियमन द्वारा लागू किया जाना चाहिए।

प्रतिस्पर्धा में संभावित बाधाओं के बारे में चिंतायें थीं जो विनियामक आदेशों से उत्पन्न हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, केबल और डीटीएच ऑपरेटरों को कुछ चैनल चलाने के लिए मजबूर करना निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बाधित कर सकता है। नीति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रसारण क्षेत्र मौजूदा निवेश की रक्षा करते हुए निजी निवेशों के लिए आकर्षक बना रहे।

सुनिश्चित करें कि नीतिगत ढ़ांचा सार्वजनिक और निजी प्रसारकों सहित सभी खिलाड़ियों के लिए समान अवसर प्रदान करे। इस क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करने और बनाये रखने के लिए रणनीति विकसित करे।

इस बात पर अलग-अलग राय थी कि क्या एक दर्शक मापन एजेंसी (बीएआरसी) पर्याप्त या सटीकता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए कई एजेंसियों की आवश्यकता है। जबकि कुछ लोगों ने तर्क दिया कि कई एजेंसियां डेटा की स्थिरता को कम कर सकती हैं, दूसरों का मानना था कि प्रतिस्पर्धा से मापन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

चर्चाओं में राष्ट्रीय प्रसारण नीति तैयार करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जो सामग्री उत्पादकों की रचनात्मकता स्वतंत्रता का सम्मान करती है। निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है और भारत में वास्तविक दर्शक परिदृश्य को प्रतिबिंबित करने के लिए सटीक दर्शक माप सुनिश्चित करती है। इन चिंताओं को संबोधित करके, ट्राई एक अधिक गतिशील और न्यायसंगत प्रसारण वातावरण बनाने में मदद कर सकता है।

(Manoj Kumar Madhavan)